J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:17.09.2023

THE IMPRESSIVE TIMES

JC Bose University celebrated its 55th Foundation Day

Param Vashist
info@impressivetimes.com

FARIDABAD : J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad today celebrated its 55th Foundation Day with great zeal and enthusiasm and felicitated students, faculty members, staff and alumni on their distinguished achievements. It may be noted that JC Bose University, which came into existence in 1969 as an Indo-German diploma Institute famously known as YMCA Institute of Engineering and upgraded to the level of University in the year 2009, has completed its 54 years as an Institution. The Vice-Chairperson of Haryana State Higher Education Council (HSHEC) Dr. K.C. Sharma was the chief guest at the function, while Vice-Chancellor of Gurugram University, Prof. Dinesh Kumar guest of honour. Eminent guests including Shri Raj Bhatia, distinguished alumnus, Chairman and Managing Director of Bony Polymers Pvt. Ltd, Faridabad, Shri Rakesh Sethi, Chairman, Vishwa Prakash Mission, Faridabad, and Sardar Sukhdev Singh, President, YMCA MOB, the alumni association of the University were also present on this occasion. The program was presided over by the Vice-Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar. A bouquet of cultural programs was presented by students of different clubs in the form of dance, act and yoga demonstrations to mark the occasion which was highly appreciated by all. The program was organized by the office of Dean Student Welfare under the supervision of Dr Munish Vashishth and Dr Sonia Bansal. In his address, Vice Chancellor, Prof. Sushil Kumar Tomar said that this institute has not only contributed significantly to the industrial development of the Faridabad region, but its alumni have also played an important role in the socio-economic development of the country. He said that Foundation Day is an important occasion to celebrate achievements, introspect and plan for the future. The University has achieved many milestones during the last couple of years, including awards and recognition by various national agencies, academic growth, and infrastructural development. He expressed his commitment to the inclusive growth of the University. In his keynote address, Dr. K.C. Sharma appreciated the glorious legacy of the University as an educational institution and the capabilities of its alumni who are playing a leading role in the field of entrepreneurship. While discussing the life and works of the great scientist Sir JC Bose, he asked the students to be focused on their aim and always stay connected with their roots. He urged them to work on innovation and research to develop indigenous technology for the nation. In his address, Prof. Dinesh Kumar recalled the entrepreneurial culture of the erstwhile YMCA Institute and said that the entrepreneurial mindset has been the legacy of this institution. The students of this institute have opted for entrepreneurship over jobs, and today they are successful entrepreneurs. The culture should be revived as the students of this institution have such potential which makes it different from other institutions.

NEWS CLIPPING:17.09.2023

AAJ SAMAJ

जेसी बोस विश्वविद्यालय ने हर्षोल्लास से मनाया 55वां स्थापना दिवस

समाज के हित में करें नवाचार और अनुसंधान का उपयोग: डॉ. केसी शर्मा

आज समाज नेटवर्क

शिक्षकों को सम्मानित करते डॉ. केसी शर्मा।

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने शनिवार को 55वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया और शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा पूर्व छात्रों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों पर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय की शुरुआत वर्ष 1969 में एक इंडो-जर्मन डिप्लोमा संस्थान के रूप में हुई थी, जिसे वाईएमसीए इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता था।

वर्ष 2009 में इस संस्थान को विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड किया गया। इस प्रकार, विश्वविद्यालय ने एक शिक्षण संस्थान के रूप में अपने 54 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद (एचएसएचईसी) के उपाध्यक्ष डॉ. के. सी. शर्मा समारोह के मुख्य अतिथि तथा गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि रहे। समारोह में शामिल सम्मानित अतिथियों में बोनी पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक और संस्थान के पूर्व छात्र राज भाटिया, विश्व प्रकाश मिशन, फरीदाबाद के चेयरमैन राकेश सेठी और विश्वविद्यालय की एलुमनाई एसोसिएशन के वाईएमसीए मॉम के अध्यक्ष सरदार सुखदेव सिंह उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने की।

इस अवसर को चिह्नित करने के लिए विभिन्न छात्र क्लबों द्वारा नृत्य, अभिनय और योग प्रस्तुतियां दी गईं, जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा डॉ. मुनीश वशिष्ठ एवं डॉ. सोनिया बंसल की देखरेख में किया गया। अपने मुख्य भाषण में डॉ. केसी शर्मा ने एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में विश्वविद्यालय की गौरवशाली विरासत और उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे इसके पूर्व छात्रों की क्षमताओं की सराहना की। अपने संबोधन में प्रो. दिनेश कुमार ने वाईएमसीए संस्थान की उद्यमशीलता संस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि उद्यमशील मानसिकता इस संस्थान की विरासत रही है। इस संस्थान के छात्रों ने नौकरी के बजाय उद्यमिता को चुना और आज वे सफल उद्यमी हैं। राकेश सेठी ने विश्वविद्यालय के साथ अपने जुड़ाव के बारे में चर्चा की और अपने मिशन के तहत संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। राज भाटिया और सरदार सुखदेव सिंह ने संस्थान के साथ अपनी दिलचस्प पुरानी यादें साझा की।

इससे पहले अतिथियों ने जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के हरियाली पखवाड़ा अभियान में भी भाग लिया तथा पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। समारोह के समापन पर कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान, विश्वविद्यालय में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों के योगदान को मान्यता देते हुए पुरस्कार दिए गए। इनमें हेल्पर अटेंडेंट राजबीर को विश्वविद्यालय में 25 वर्षों की समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। स्टार एलुमनाई के रूप में सम्मानित प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों में आरएस इम्पैक्ट होल्डिंग के चेयरमैन राशिद अली शेख, निर्माण एडवरटाइजिंग के चेयरमैन अरविंदर सिंह नारंग और ट्राई सेंटर फॉर स्टडीज एंड रिसर्च के महानिदेशक अनिल कुमार भारद्वाज शामिल रहे। उत्कृष्ट वैज्ञानिक कार्यों के लिए स्थापित जे.सी. बोस युवा वैज्ञानिक पुरस्कार गणित विभाग के शोधार्थी दीपक को दिया गया। इसी प्रकार, चार विद्यार्थियों - एमएससी (पर्यावरण विज्ञान) की कोमल, एमएससी (गणित) की अंकिता और पाखी तथा पीएचडी (गणित) के पीयूष गुप्ता को यूजीसी-सीएसआईआर द्वारा आयोजित जेआरएफ परीक्षा में उनके प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। पर्स ग्रांट की समन्वयक टीम के सदस्यों डॉ. रवि कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. सूरज गोयल, डॉ. सोमवीर, डॉ. दीपांश शर्मा, डॉ. श्रुति मित्तल और डॉ. फकरूल गुप्ता को उनके समर्पित योगदान के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. सोनिया, डॉ. अमन जोशी, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. ओमपाल सिंह, डॉ. योगिता, डॉ. अनुराग प्रकाश, डॉ. बिंदु मंगला, डॉ. अमित राजपूत, डॉ. भावना उत्तम, डॉ. अर्पिता चटर्जी, डॉ. संजीव गोयल, डॉ. सपना तनेजा, डॉ. रजनी सग्गू, डॉ. भावना उत्तम, डॉ. तिलक राज, डॉ. भास्कर नागर और डॉ. पी.एन. बाजपेयी को अनुसंधान और विकास गतिविधियों के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जनसम्पर्क अधिकारी जितेन्द्र सिंह यादव को प्रभावी डिजिटल पीआर गतिविधियों के लिए सम्मानित किया गया। जीवन विज्ञान विभाग को सर्वश्रेष्ठ उभरते विभाग के रूप में सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार, सांस्कृतिक और तकनीकी गतिविधियों, सामुदायिक सेवाओं, खेल, समाचार और मीडिया गतिविधियों में योगदान के लिए सात विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया, जिनमें उमेश कुमार गोला, तुशांत कुमार, देव प्रकाश, विवेक, अंकुर त्रिपाठी और खुशी तायल शामिल हैं।

NEWS CLIPPING:17.09.2023

AMAR UJALA

विवि ने युवा वैज्ञानिकों को किया सम्मानित

जेसी बोस का 55वां स्थापना दिवस मनाया, छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम किए प्रस्तुत

संवाद न्यूज एजेंसी

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का शनिवार को 55वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न छात्र क्लबों की ओर से नृत्य, अभिनय और योग प्रस्तुतियां दी गई।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्य उच्च शिक्षा परिषद (एचएसएचईसी) के उपाध्यक्ष डॉ. केसी शर्मा और गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि रहें। इस मौके पर उत्कृष्ट वैज्ञानिक कार्यों के लिए स्थापित जेसी बोस युवा वैज्ञानिक पुरस्कार गणित विभाग के शोधार्थी दीपक को दिया गया। एमएससी की छात्रा कोमल को पर्यावरण विज्ञान, एमएससी गणित की अंकिता व पाक्षी को दिया गया। पीएचडी के छात्र पीयूष गुप्ता

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते विद्यार्थी। स्रोत-विश्वविद्यालय

को यूजीसी-सीएसआईआर की ओर से आयोजित जेआरएफ परीक्षा बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इनके अलावा डॉ. रवि कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. सूरज गोयल, डॉ. सोमवीर, डॉ. दीपांश शर्मा, डॉ. श्रुति मित्तल और डॉ. पारुल गुप्ता को सम्मानित किया गया। वहीं, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा पूर्व छात्रों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया।

वहीं, विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. सोनिया, डॉ. अमन जोशी, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. ओमपाल सिंह, डॉ. योगिता, डॉ. अनुराग प्रकाश, डॉ. बिंदु मंगला, डॉ. अमित राजपूत, डॉ. भावना उत्तम, डॉ. अर्पिता चटर्जी, डॉ. संजीव गोयल, डॉ. संपना तनेजा, डॉ. रजनी सग्गू, डॉ. भावना उत्तम, डॉ. तिलक राज, डॉ. भास्कर नागर और डॉ. पीएन बाजपेयी को अनुसंधान और विकास गतिविधियों के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों के योगदान को मान्यता देते हुए पुरस्कार दिए गए।

सहायक राजबीर पिछले 25 वर्षों विश्वविद्यालय में सेवाएं दे रहे हैं। इस मौके पर स्टार एल्युमिनाई के रूप में पूर्व छात्र में राशिद अली शेख, अरविंदर सिंह नारंग और अनिल कुमार भारद्वाज भी शामिल रहे। विद्यार्थियों की ओर से बनाए गए प्रदर्शित प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। जेसी बोस विश्वविद्यालय की शुरूआत वर्ष 1969 में एक इंडो-जर्मन डिप्लोमा संस्थान के रूप में की गई थी। इस दौरान इसे वाईएमसीए इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता था। वर्ष 2009 में संस्थान को विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड किया गया।

NEWS CLIPPING:17.09.2023

NAVBARAT TIMES

यूनिवर्सिटी ने स्थापना दिवस मनाया

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने शनिवार को 55वां स्थापना दिवस मनाया। मौके पर शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों व पूर्व छात्रों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों पर सम्मानित किया। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. केसी शर्मा मुख्य अतिथि व गुड़गांव यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने की। विभिन्न छात्र क्लबों की तरफ से नृत्य, अभिनय व योग प्रस्तुतियां दी गई।

NEWS CLIPPING:17.09.2023

HADOTI ADHIKAR

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने मनाया 55वाँ स्थापना दिवस

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 16 सितम्बर। जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आज 55वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया और शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा पूर्व छात्रों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों पर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय की शुरूआत वर्ष 1969 में एक इंडो-जर्मन डिप्लोमा संस्थान के रूप में हुई थी, जिसे वाईएमसीए इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता था। वर्ष 2009 में इस संस्थान को विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड किया गया। इस प्रकार, विश्वविद्यालय ने एक शिक्षण संस्थान के रूप में अपने 54 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. के. सी. शर्मा समारोह के मुख्य अतिथि तथा गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि रहे।

NEWS CLIPPING:17.09.2023

PIONEER

स्थापना दिवस पर छात्रों ने प्रस्तुत किया रंगारंग कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का शनिवार को 55वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न छात्र क्लबों की ओर से नृत्य, अभिनय और योग प्रस्तुतियां दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्य उच्च शिक्षा परिषद (एचएसएचईसी) के उपाध्यक्ष डॉ. केसी शर्मा और गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि रहे। इस मौके पर उत्कृष्ट वैज्ञानिक कार्यों के लिए स्थापित जेसी बोस युवा वैज्ञानिक पुरस्कार गणित विभाग के शोधार्थी दीपक को दिया गया। एमएससी की छात्रा कोमल को पर्यावरण विज्ञान, एमएससी गणित की अंकिता व पाक्षी को दिया गया। पीएचडी के छात्र पीयूष गुप्ता को यूजीसी-सीएसआईआर की ओर से आयोजित जेआरएफ परीक्षा बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इनके अलावा डॉ. रवि कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. सूरज गोयल, डॉ. सोमवीर, डॉ. दीपांश शर्मा, डॉ. श्रुति मित्तल और डॉ. पारुल गुप्ता को सम्मानित किया गया। वहीं, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा पूर्व छात्रों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। वहीं, विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. सोनिया, डॉ. अमन जोशी, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. ओमपाल सिंह, डॉ. योगिता, डॉ. अनुराग प्रकाश, डॉ. बिंदु मंगला, डॉ. अमित राजपूत, डॉ. भावना उत्तम, डॉ. अर्पिता चटर्जी, डॉ. संजीव गोयल, डॉ. सपना तनेजा, डॉ. रजनी सग्गू, डॉ. भावना उत्तम, डॉ. तिलक राज, डॉ. भास्कर नागर और डॉ. पीएन बाजपेयी को अनुसंधान और विकास गतिविधियों के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों के योगदान को मान्यता देते हुए पुरस्कार दिए गए। सहायक राजबीर पिछले 25 वर्षों विश्वविद्यालय में सेवाएं दे रहे हैं। इस मौके पर स्टार एल्युमिनाई के रूप में पूर्व छात्र में राशिद अली शेख, अरविंदर सिंह नारंग और अनिल कुमार भारद्वाज भी शामिल रहे। विद्यार्थियों की ओर से बनाए गए प्रदर्शित प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। जेसी बोस विश्वविद्यालय की शुरूआत वर्ष 1969 में एक इंडो-जर्मन डिप्लोमा संस्थान के रूप में की गई थी।